aglasem.com

FOR RAJASTHAN CLASS 12 PREPARATION

Rajasthan Board 12th Model Paper 2027 Hindi Compulsory

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Rajasthan Class 12	2027	Sample Paper	Hindi

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक स्तर प्रस्तावित प्रश्न–पत्र प्रारूप (**Design)** सत्र 2026–2027

कक्षा – 12 **विषय :– हिन्दी अनिवार्य** **समय : 3:15 घण्टे** **पूर्णांक–80**

1. उद्देश्य हेतु अंक भार –

योग्यताएं	उद्देश्य	अंक भार	प्रतिशत
जागरूकता Awareness	ज्ञान (Knowledge)	20	25.00
	निर्माणात्मक समझ (Understanding of the Construct)	10	12.50
	प्रक्रिया की समझ– (Understanding of the Process)	10	12.50
संवेदनशीलता Sensitivity	**संघर्ष समाधान** (Conflict Resolution)	7	8.75
	व्यापक / उदार मानसिकता (Open Mindedness)	6	7.50
	सहयोग / योगदान (Collaboration)	7	8.75
सृजनात्मकता Creativity	**नवाचारी विचार उत्पन्न करना** (Generate Innovative Ideas)	6	7.50
	लचीलापन (Flexibility)	2	2.50
	प्रवाहशीलता (Fluency)	2	2.50
	अन्वेषण (Exploration)	4	5.00
	विचारों एवं अवधारणाओं का मिलान (Combining Ideas & Concepts)	6	7.50
Total		80	100

2 प्रश्नों के प्रकार व अंकभार –

खण्ड.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रश्न हल करने के लिए संभावित समय मिनटों में
अ	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	16	1	16	20	16
ब	अतिलघूत्तरात्मक	6	2	12	15	12
स	लघूत्तरात्मक	8	3	24	30	24
द	दीर्घोत्तरीय एवं स्रोत / प्रकरण / घटना / चित्र आधारित प्रश्न एवं पत्र लेखन / कहानी लेखन / ई मेल लेखन आदि	4	4	16	20	86
	निबन्ध लेखन / लेख आदि	2	6	12	.	42
	योग	36		80	100	180
प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित समय						15
कुल समय						195

नोटः–प्रश्न पत्र निर्माता न्यूनतम दो केस आधारित *(Case Based)* प्रश्न अनिवार्य रूप से देवें

3. प्रश्नों के उद्देश्य के आधार पर भारात्मक अनुपात –

योग्यताएं / क्षमताएं	जागरूकता	संवेदनशीलता	सृजनात्मकता
प्रश्नों की संख्या	22	9	3
प्रतिशत	50	25	25

4. प्रश्नों के काठिन्य स्तर के आधार पर भारात्मक अनुपात –

कठिनाई स्तर	सरल	माध्यम	कठिन
प्रश्नों की संख्या	9	18	9
प्रतिशत	25	50	25

BSER

5. ईकाई एवं अध्यायवार अंकभार –

क्र.सं.	पाठ्यक्रम के अनुसार इकाई एवं अध्याय विवरण	पाठ्यक्रम में निर्धारित अंकभार	प्रतिशत
1	अपठित गद्यांश	4	5%
2	अपठित पद्यांश	4	5.0%
3	निबंध लेखन	6	7.5%
4	पत्र व प्रारूप लेखन	6	7.5%
5	विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन आधोरित प्रश्न	4	5%
6	विशेष लेखन–स्वरूप व प्रकार	4	5%
7	कहानी का नाट्य रूपान्तरण/रेडियो नाटक	2	2.5%
8	भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय	2	2.5%
9	शब्द–शक्ति	2	2.5%
10	अलंकार	2	2.5%
11	पारिभाषिक शब्दावली	2	2.5%
12	गद्यांश की विषयवस्तु से सप्रसंग व्याख्या	4	5%
13	पद्यांश की विषयवस्तु से सप्रसंग व्याख्या	4	5%
14	गद्यांश की विषयवस्तु आधारित प्रश्न	10	12.5%
15	पद्यांश की विषयवस्तु आधारित प्रश्न	10	12.5%
16	रचनाकार अथवा लेखक के जीवन परिचय से संबंधित प्रश्न	3	3.75%
17	वितान की विषयवस्तु आधारित प्रश्न	11	13.75%
		80	100%

BSER

मॉडल प्रश्न पत्र ब्लू प्रिन्ट 2026–2027

कक्षा –12 विषय :–हिन्दी अनिवार्य समय 3:15 पूर्णांक – 80

	क्षमताएं	जागरूकता (AWARENESS)															संवेदनशीलता (SENSITIVITY)															रचनात्मकता (CREATIVITY)																									
क्र.	उद्देश्य	ज्ञान					निर्माणात्मक समक्ष					प्रक्रिया की समझ					संघर्ष समाधान					उदार मानसिकता					सहयोग					नवीन विचार					लचीलापन					प्रवाहशीलता					अन्वेषण					अवधारणाओं का संयोजन					
सं.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	निबन्धात्मक	अंको का योग
	इकाई / अध्याय																																																								
1	अपठित गद्यांश				31(1)					–(1)					–(1)																																								–(1)		4
2	अपठित पंद्यांश				32(1)					–(1)					–(1)																																								–(1)		4
3	निबंध लेखन																																			36(2)										–(1)					–(1)					–(2)	6
4	पत्र व प्रारूप लेखन																																			35(2)										–(1)					–(1)					–(2)	6
5	अभिव्यक्ति एवं माध्यम																																																								
	(i) विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन		17(2)										18(2)																																												4
	(ii) विशेष लेखन स्वरूप एवं												19(2)																																												2
	प्रकार												20(2)																																												2
	(iii) कहानी का नाट्यों रेडियों रूपा.												21(2)																																												2
6	भाषा व्याकरण एवं लिपि का विकास																																																								
		1(1)																																																							1
		2(1)																																																							1
7	शब्द –शक्ति लक्षणा अभिधा																																																								
	लक्षमा																										13(1)																														1
	अभिधा	14(1)																																																							1
8	अलंकांर																																																								
	विभावना						15(1)																																																		1
	भ्रातिमान	16(1)																																																							1
9	पारिभाषिक शब्दावली																																																								
		11(1)																																																							1
		12(1)																																																							1
10	आरोहः गद्य																																																								
	भक्तिन	3(1)																																																							1
	शिरीष के फूल	4(1)																																																							1
	पहलवान की ढोलक						5(1)																																																		1
	बाजार दर्शन	6(1)																																																							1
	श्रम विभाजन व जाति प्रथा																								21(3)																																3

BSER

	काले मेंधा पानी दे																				27(1)									–(2)																											3
	सप्रंसग व्याख्या										33(2)																			–(1)					–(1)																						4
11	आरोहः पद्य																																																								
	आत्म परिचय	7(1)																																																							1
	उषा	8(1)																																																							1
	बादल राग	9(1)																																																							1
	बगुलों के पंख	10(1)																																																							1
	कविता के बहाने																		28(2)																															–(1)									3
	कमरे में बंद अपाहिज																													29(3)																												3
	संप्रसंग व्याख्या										34(1)															–(1)									–(1)																–(1)						4
	लेखक / कवि का परिचय			30(3)																																																					3
12	वितान भाग–2																																																							
	सिल्वर वैडिंग							22(2)		–(1)									23(2)																																						5
	जूझ																		24(2)					24(1)																																	3
	अतीत में दबे पॉव																								25(1)														25(2)																				3
	कॉलम के अंको का योग	13	2	3	2	-	2	2	-	3	3	-	8	-	2	-	-	-	6	-	1	-	-	1	4	1	1	-	-	6	-	-	-	-	2	4	-	-	2	-	-	-	-	-	-	2	-	-	1	-	3	-	-	-	2	4	80
	उद्देश्यानुसार कुल योग	20					10					10					7					6					7					6					2					2					4					6					80
	कुल योग (क्षमताएं)	40															20															20																									

नोट – 1 .(') आंतरिक विकल्प

2. कोष्ठक के बाहर दी गई संख्या ''प्रश्न क्रमांक'' है तथा कोष्ठक के अन्दर की संख्या ''अक'' को दर्शाती है।

3. उक्त ब्लू प्रिन्ट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों का समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल परीक्षा के प्रश्न पत्र का ब्लयू प्रिट अलग हो सकता है।

BSER

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026–2027

Sr. Secondary Examination, 2026-2027

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी अनिवार्य

Sub : Hindi Compulsary

कक्षा – 12

Class : 12Th

Subject Code : (01)

समय : 03 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थी के लिए सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

BSER

खण्ड – अ
Section - A

निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। (10X1=10)

1) भाषिक ध्वनियों का लिखित रूप कहलाता है– (1)

अ) वर्ण ब) लिपि

स) वाक्य द) शब्द

2) निम्नलिखित भाषा समूहों में से देवनागरी लिपि वाली भाषाओं का समूह है– (1)

अ) मराठी, हिंदी, गुजराती ब) हिंदी संस्कृत, गुजराती

स) मराठी, हिंदी, संस्कृत द) हिंदी, गुजराती, कोंकणी

3) ''भक्तिन'' गद्य की जिस विधा की रचना है, वह विधा है– (1)

अ) रेखाचित्र ब) कहानी

स) निबंध द) नाटक

4) शिरीष का फूल किस गुण का प्रतीक नहीं है ? (1)

अ) साहस ब) सहिष्णुता

स) कोमलता द) ईर्ष्या

5) 'पहलवान की ढोलक' कहानी का केन्द्रीय संदेश है– (1)

अ) धन का महत्व ब) मानवीय संवेदना का महत्व

स) संघर्ष की महत्ता द) राजसत्ता का अभिमान

6) 'बाजार दर्शन' निबंध में बाजारूपन का आशय है– (1)

अ) व्यापार का विकास ब) आवश्यक खरीदारी करना

स) उपभोगवादी मानसिकता का विकास द) प्रतिस्पर्धा का विकास

7) 'आत्म परिचय' में कवि स्वयं को किस रूप में देखता है ? (1)

अ) सृजनशील व्यक्ति ब) निराशावादी

स) सीमित पहचान वाला व्यक्ति द) व्यापक व्यक्तित्व वाला व्यक्ति

8) ''बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जेसे धुल गई हो'' उक्त पंक्ति में वर्णित विषय है– (1)

अ) उषा ब) संध्या

स) दोपहर द) रात्रि

BSER

9) 'बादल राग' कविता में बादल प्रतीक है– (1)

अ) वैभव का ब) शांति का

स) क्रांति का द) खुशहाली का

10) 'बगुलों के पंख' कविता के रचयिता है– (1)

अ) शमशेर बहादुर सिंह ब) उमाशंकर जोशी

स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' द) हरिवंशराय बच्चन

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:–

11) पारिभाषिक शब्दावली में 'Abbreviation' को हिंदी में .....कहते हैं। (1)

12) पारिभाषिक शब्दावली में ' पृष्ठांकन' को अंग्रेजी में .....कहते हैं। (1)

13) ''भारत ने आज विश्व कप जीत लिया।'' वाक्य में .....शब्द–शक्ति निहित है। (1)

14) अभिधा शब्द–शक्ति में शब्द का .....अर्थ ग्रहण किया जाता है। (1)

15) ''बिनु पद चलै, सुनै बिनु काना'' में .....अलंकार है। (1)

16) जब उपमेय में उपमान का भ्रम होने के कारण एक वस्तु को दूसरी वस्तु मान लिया जाए, तो वहाँ .....अलंकार होता है। (1)

खण्ड – ब
Section - B

निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

17) 'ड्राई एंकर' किसे कहते हैं ? लिखिए। (2)

18) रेडियो समाचार लेखन की संरचना के विभिन्न चरणों को समझाइए। (2)

19) एक अच्छे संवाददाता के दो गुण लिखिए। (2)

20) विशेष लेखन में भाषा एवं शैली के संदर्भ में किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? (कोई दो) (2)

21) रेडियों नाटक में 'बच्चों की खुशी' वाले दृश्य का प्रस्तुतीकरण कीजिए। (2)

22) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के पात्र यशोधर बाबू की कोई दो चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए (2)

BSER

खण्ड – स
Section - C

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

निम्नलिखित परिस्थिति (केस) के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+2=3)

23) मनोहरलाल सादा जीवन जीने और पारिवारिक परंपराओं का पालन करने वाले व्यक्ति हैं। उनकी शादी की पच्चीसवीं वर्षगांठ पर उनके बच्चे एक आधुनिक पार्टी का आयोजन करना चाहते हैं। मनोहर लाल इसे अनुचित मानते हैं। बच्चे अपने पिता की सलाह के बिना ही पार्टी आयोजन का फैसला लेते हैं तो मनोहरलाल स्वयं को घर में अलग–थलग महसूस करते हैं।

(i) मनोहर लाल स्वयं को अकेला क्यों अनुभव करते हैं ? (1)

(ii) मनोहर लाल के स्थान पर आप होते तो परिवार में कहाँ तक सामंजस्य बैठा पाते ? अपने शब्दों में लिखिए। (2)

24) रामपुर गाँव में इस वर्ष बरसात नहीं हुई। वर्षा ऋतु बीतने जा रही थी। गाँव में पंचायत बुलाई गई। कुछ लोगों ने पूजा–अनुष्ठान करने की सलाह दी, जिसे अन्य लोगों ने अंध विश्वास बताया। अनुष्ठान करने वाले सोचते थे कि दान–पुण्य करने से वर्षा हो जाएगी। पंचायत में उपस्थित कुछ लोगों ने वर्षा–जल के संरक्षण की भी बात कही।

(i) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जल संकट से निपटने के कोई दो सामुदायिक उपाय लिखिए। (1)

(ii) वर्षा के लिए गाँव वालों द्वारा किए जा रहे उपायों की सतर्क विवेचना कीजिए। (2)

25) 'जूझ' में पढ़ाई के प्रति लेखक के पिताजी के विचारों से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क सहित लिखिए। (3)

26) ''सिंधु–सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा अनुशासित सभ्यता थी।'' उक्त कथन को 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए । (3)

27) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि श्रम विभाजन की क्या आवश्यकता है ? पाठ में इसकी किस कमी की ओर संकेत किया गया है ? (3)

BSER

28) ''कविता एक खेल है बच्चों के बहाने'' 'कविता के बहाने' उक्त कथन के आधार पर कविता और बच्चों की तुलना तर्क सहित कीजिए । (3)

29) यदि आपको शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे किसी व्यक्ति का साक्षात्कार करना है, तो आप किन–किन बातों का ध्यान रखेंगे। (3)

अथवा

''हम समर्थ शक्तिवान हम एक दुर्बल को लाएँगे''

''कैमरे में बंद अपाहिज'' कविता की उक्त पंक्ति में व्यंजित भाव को अपने शब्दों में लिखिए।

30) हजारी प्रसाद द्विवेदी का जीवन परिचय लिखिए।

अथवा

आलोक धन्वा का जीवन परिचय लिखिए। (3)

खण्ड–द
Section - D

निम्नलिखित दीर्घउत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में अथवा प्रश्न में उल्लेखित शब्द सीमा के अनुसार लिखिए–

31) **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

सांस्कृतिक चेतना की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति सार्वभौम सत्य के आधार पर प्रतिष्ठित धार्मिक भावना और दार्शनिक चिंतन धारा के माध्यम से हुई। कला, शिल्प, साहित्य और संगीत इन्हीं की आनुषंगिक उपलब्धियाँ हैं। इन सबका क्षेत्र विशाल मानव समाज है जिसकी प्रेरणा और प्रसाद से मनुष्य जीवनयापन करता है। भारतीय जीवन में समय–समय पर विदेशी और विजातीय तत्वों के आते रहने के कारण परस्पर संघात होते रहे हैं। परन्तु इन्हीं से होकर ऐसी जीवन शक्ति का संचार भी होता रहा है कि हम डूबते–डूबते भी उबरते चले आए हैं, निष्प्रभ या निस्तेज न होकर नवजीवन की अरूणिमा से महिमा मंडित होते रहे हैं। इन सबके मूल में हमारी समन्वय साधना की प्रवृत्ति प्रधान रही है। इसे हम मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के संदर्भ में समझ सकते हैं।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

(ii) विदेशी और विजातीय तत्वों के परस्पर संघात से भारत पर क्या प्रभाव पड़ा ? (1)

BSER

(iii) सांस्कृतिक चेतना की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति किस माध्यम से हुई ? (1)

(vi) गद्यांश का प्रतिपाद्य लिखिए। (1)

अथवा

आज के युग में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। शिक्षा मनुष्य को ज्ञान प्रदान करने के साथ–साथ उसके विचारों को व्यापक बनाती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समक्षता है तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को समझता है तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है। इसलिए शिक्षा का संबंध केवल पुस्तकों और विद्यालयों तक सीमित नहीं होना चाहिए।

वर्तमान समय में विज्ञान और तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालय और ऑन लाइन शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे अनेक विषयों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु तकनीक का उचित उपयोग तभी संभव है, जब विद्यार्थी उसमें अनुशासन और विवके का परिचय दें। केवल इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को पढ़ लेना पर्याप्त नहीं है, उसके तथ्य और उपयोगिता को समझना भी आवश्यक है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील, विवेकशील और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। यदि शिक्षा व्यक्ति में सत्य, सहयोग, अनुशासन और सेवा की भावना विकसित करती है, तो वह शिक्षा समाज और राष्ट्र दोनों के लिए उपयोग सिद्ध होती है।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

(ii) शिक्षित व्यक्ति समाज के प्रति किस प्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाता है ? (1)

(iii) तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में कौन–कौनसे अवसर उपलब्ध कराए हैं ? (1)

(iv) शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या हैं ? (1)

BSER

32) **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

हे प्रभु ! आनंददाता ज्ञान हमको दीजिए ।
शीघ्र सारे दुर्गणों को दूर हमसे कीजिए ।
लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बने।
सत्य बोलें, झूठ त्यागें, मेल आपस में करें।
दिव्य जीवन हो हमारा, यश तेरा गाया करें।
जाये हमारी आयु हे प्रभु, लोक के उपकार में।
हाथ डालें हम कभी ना, भूलकर अपकार में ।

(i) पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1)

(ii) कवि प्रभु से क्या प्रार्थना कर रहा है ? (1)

(iii) पद्यांश के अनुसार कवि क्या नहीं करना चाहता है ? (1)

(iv) कवि किस प्रकार के जीवन की कामना कर रहा हैं ? (1)

अथवा

चलना ही जीवन की गति है, रुकना केवल हार नहीं।
पथ में चाहे काँटे मिलें, हिम्मत रखना भार नहीं।
जो गिरकर फिर उठ जाते हैं, वे मंजिल को पाते हैं।
अँधियारे से लड़ने वाले, सूरज स्वयं बन जाते हैं।
मेहनत की हर बूँद एक दिन, सफलता का फल लाती है।
सच्ची लगन और दृढ़ संकल्प से, मुश्किल राह सरल हो जाती है।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ, नवनिर्माण का स्वप्न सजाएँ।
अपने श्रम और अपने साहस से, जीवन में उजियारा लाएँ।

(i) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

(ii) कवि ने जीवन की गति किसे माना है ? (1)

(iii) 'अँधियारे से लड़ने वाले' लोगों के बारे में कवि ने क्या कहा है? (1)

(iv) पद्यांश का केन्द्रीय भाव अधिकतम दो पंक्तियों में लिखिए। (1)

BSER

33) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक–स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन हैं; क्योकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हंस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी–बारी से आने–जाने वाले अँधेरे–उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना।

अथवा

भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। वह सत्यवादी हरिश्चंद्र नहीं बन सकती; 'पर नरो वा कुंजरो वा' कहने में भी विश्वास नहीं करती। मेरे इधर–उधर पड़े पैसे–रूपये भंडार–घर की किसी मटकी में कैसे अंतरहित हो जाते हैं, यह रहस्य भी भक्तिन जानती है। पर, उस संबंध में किसी के संकेत करते ही वह उसे शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दे डालती है, जिसको स्वीकार कर लेना किसी तर्क–शिरोमणि के लिए संभव नहीं।

34) **निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटीसों बेटो न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रूचै सो कहै कछु ओऊ।
मांगि कै खैबों, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ। (4)

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबै पै, राम ! रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु !
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी।।

BSER

35) आप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर के प्रधानाचार्य हैं। विद्यालय के लिए 20 मेज, 10 कुर्सियाँ और 5 अलमारियाँ क्रय की जानी हैं। इच्छुक एवं पंजीकृत विक्रेताओं से निर्धारित शर्तों के अनुसार सीलबंद निविदा आमंत्रित कीजिए। (6)

अथवा

आप जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक मुख्यालय, जयपुर हैं। जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति न्यून आ रही है। इस विषय को गंभीरता से लेने हेतु सभी प्रधानाचार्यों से व्यक्तिगत सहयोग एवं आवश्यक कार्यवाही का अनुरोध करते हुए एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए।

36) निम्नलिखित विषयों में से एक विषय पर 300 शब्दों में निबंध लिखिए–

(i) डिजिटल भारत और बदलता समाज

(ii) जलवायु परिवर्तन का मानव जीवन पर प्रभाव

(iii) अनुशासन का महत्व

(iv) मेरे सपनों का भारत (6)

BSER

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026–2027

Sr. Secondary Examination, 2026-2027

कक्षा – 12

Class : 12Th

अपेक्षित उत्तर

Expected Answer

विषय – हिन्दी अनिवार्य

Sub : Hindi Compulsary

Subject Code : (01)

क्र.स.	अपेक्षित उत्तर	अंक	पृष्ठ .स.
1	अ	1	
2	स	1	
3	अ	1	आरोह 62
4	द	1	आरोह 112
5	स	1	आरोह 106
6	स	1	आरोह 84
7	द	1	आरोह 5
8	अ	1	आरोह 29
9	स	1	आरोह 33
10	ब	1	आरोह 54
11	संक्षिप्तीकरण	1	
12	Endorsement	1	
13	लक्षणा शब्द शक्ति	1	
14	मुख्यार्थ / वाच्यार्थ / अभिधेयार्थ	1	
15	विभावना अलंकार	1	
16	भ्रांतिमान अलंकार	1	
17	एंकर बिना किसी दृश्य या ग्राफिक्स के मिली जानकारी के आधार पर समाचार सुनाता है।	2	अभिव्यक्ति एवं मा. 57
18	उल्टा पिरामिड शैली : इंट्रो, बॉडी, समापन	2	अभिव्यक्ति एवं मा. 54

BSER

19	सत्यनिष्ठा, निर्भीकता, खोजी व जिज्ञासु प्रवृत्ति, विश्लेषणात्मक क्षमता आदि में से कोई 2 गुण स्वीकार्य।	2	अभिव्यक्ति एवं मा. 92
20	सरल, सहज, बोधगम्य, तथ्यात्मक, विषयानुरूप आदि में कोई दो स्वीकार्य।	2	अभिव्यक्ति एवं मा. 94
21	रेडियो नाटक की विशेषताओं के आधार पर कोई भी उचित रचना स्वीकार्य।	2	अभिव्यक्ति एवं मा. 151
22	परंपरावादी, सादगी पसंद, कर्तव्यनिष्ठ, सिद्धान्तवादी आदि में से कोई गुण स्वीकार्य।	2	वितान सिल्वर वेडिंग
23	(i) परिवार में उनकी सलाह को न मानने के कारण।	1	
	(ii) मौलिकता, तर्क सहित सकारात्मक उत्तर स्वीकार्य	2	
24	(i) कोई भी दो उपाय स्वीकार्य (ii) सतर्क विवेचना स्वीकार्य	1 2	
25	विचारों से सहमति/असहमति तर्क सहित स्वीकार्य	3	वितान 'जूझ'
26	हथियारों का अभाव, आडंबरहीनता, नगर नियोजन, एक समान मानक आदि साक्ष्यों के आधार पर।	3	वितान अतीत में दबे पाँव
27	आधुनिक सभ्य समाज सुचारू रूप से कार्य करने के लिए श्रम–विभाजन जरूरी। आशय के उत्तर स्वीकार्य । कमी – श्रम विभाजन जन्म आधारित हो गया, जिससे विवशता बस अरूचिपूर्ण कार्य करने की मजबूरी।	2 1	आरोह 122
28	'कविता के बहाने– कविता के आधार पर उत्तर स्वीकार्य ।	3	आरोह 17
29	सहानुभूति पूर्ण दृष्टिकोण, गरिमा पूर्ण शब्दावली, धैर्य, उनकी गरिमा का ध्यान, अनुभवों का सम्मान आदि बिंदुओं के आधार पर उत्तर स्वीकार्य।	3	आरोह 23

BSER

	अथवा टेलीविजन या अन्य माध्यमों के लिए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूछे जाने वाले प्रश्नों व भंगिमाओं पर प्रहार किया है। किसी की पीडा के साथ दृश्य संचार माध्यमों के संबंध को रेखांकित किया हैं।		
30	आरोह ; गद्य खंड ; हजारी प्रसाद द्विवेदी ; पृ.स. 141 के अनुसार अथवा आरोह; पद्य खंड ; आलोक धन्वा; पृ.स. 9 के अनुसार	3 3	110 9
31	(i) उचित शीर्षक स्वीकार्य। (ii) गद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iii) गद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iv) उचित प्रतिपाद्य स्वीकार्य अथवा (i) उचित शीर्षक स्वीकार्य। (ii) गद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iii) गद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iv) गद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य।	1 1 1 1	
32	(i) उचित शीर्षक स्वीकार्य। (ii) पद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iii) पद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iv) उचित प्रतिपाद्य स्वीकार्य अथवा (i) उचित शीर्षक स्वीकार्य। (ii) पद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iii) पद्यांश के आधार पर सही उत्तर स्वीकार्य। (iv) उचित केन्द्रीय भाव स्वीकार्य ।	1 1 1 1	

BSER

33	सप्रंसग व्याख्या स्वीकार्य।	4	आरोह 71, आरोह 68
34	सप्रसंग व्याख्या स्वीकार्य।	4	आरोह 41, आरोह 41
35	उचित प्रारूप में उत्तर स्वीकार्य	6	
36	स्ंबंधित विषय में विषयानुकूल, नवीन विचार सहित, प्रवाह शीलता, शुद्व शब्दावली में उत्तर स्वीकार्य	6	

BSER